लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 6. 11. 2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 4-6

कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट विवि के दल ने एचएयू में किया दौरा

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह कजाकिस्तान के दल के साथ। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार: कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल जिसमें 2 वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एनागल केलीएवा एवं केरोवा सनार व 16 विद्यार्थियों का एक दल 10 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आया है। इन विद्यार्थियों की शिक्षा प्रमुख विषय एग्रोनॉमी, इकोलॉजी एवं टूरिजम है।

ज्ञात रहे कि कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध हो चुका है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हकृवि अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की ओर अग्रसर है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है। एचएयू अंतरराष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने इस दल का स्वागत किया और उनको विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी, रिसर्च फार्म, नेनो-बायोटेक्नोलॉजी, दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑर्गेनिक फॉर्मिंग व विश्वविद्यालय में हो रही बायोगैस व बायोकम्पोस्ट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विवि के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि यह दल विश्वविद्यालय के दस दिवसीय दौरे पर है। इस अवसर पर डा. एसके धनखड़, डा. ओमेन्द्र सांगवान व डॉ. भगत सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक...6. 11. 2019...... पृष्ठ सं.....3...... कॉलम...7-8.....

कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ कजाकिस्तान का दल।

कजाकिस्तान के स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल एचएयू पहुंचा

टीम ने इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत की विजिट

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिकों व छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। इसी कड़ी में कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल जिसमें 2 वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एनागल केलीएवा एवं केरोवा सनार व 16 विद्यार्थियों का एक दल 10 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत एचएयू आया है।

इन विद्यार्थियों की शिक्षा प्रमुख विषय एग्रोनॉमी, इकोलॉजी एवं टूरिज्म है। ज्ञात रहे कि कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध हो चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि एचएयू अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की ओर अग्रसर है। एचएयू अंतरराष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने इस दल का स्वागत किया और उनको एचएयू के लाइब्रेरी, रिसर्च फार्म, नेनो-बायो टेक्नोलॉजी, दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑरगेनिक फॉर्मिंग व विश्वविद्यालय में हो रही बायो गैस व बायोकम्पोस्ट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

विवि के अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि यह दल विश्वविद्यालय के दस दिवसीय दौरे पर है। इस दौरान दल के सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों का दौरा करेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी....

दिनांक 6.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4-5

कजाकिस्तान की यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल हकृवि पहुंचा

कुलपति प्रो. के.पी.सिंह कजाकिस्तान के दल के साथ।

हिसार, 5 नवम्बर (ब्यूरो): कजाकिस्तान के एस.टी. पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल जिसमें 2 वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एनागल केलीएवा एवं केरोवा सनार व 16 विद्यार्थियों का एक दल 10 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय पहुंचा। ज्ञात रहे कि कजाकिस्तान के एस.टी. पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध हो चुका है। इसी कड़ी में यह दल आया हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि हकृवि अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की ओर अग्रसर है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रुचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है इसलिए यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों की पहली पसंद है।

छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने इस दल का स्वागत किया और उनको विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी, रिसर्च फार्म, नेनो-बायोटैक्नोलोजी, दीन दयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलैंस फॉर आर्गेनिक फार्मिंग व विश्वविद्यालय में हो रही बायोगैस व बायोकम्पोस्ट प्रोडक्शन टैक्नोलोजी से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि यह दल विश्वविद्यालय के 10 दिवसीय दौरे पर है। इस दौरान दल के सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों का दौरा करेंगे तथा यहां पर जारी शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला गतिविधियों की जानकारी हासिल करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एस.के. धनखड़, सह छात्र कल्याण निदेशक डा. ओमेन्द्र सांगवान व डा. भगत सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक....6. 11. 2019.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....1-5....

अनुसंधान

विश्वविद्यालय में हो रही बायोगैस व बायो कंपोस्ट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी से विद्यार्थियों को अवगत कराया

कजाकिस्तान का 18 सदस्यीय दल 10 दिवसीय दौरे पर एचएयू पहुंचा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों व छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। इसी कड़ी में कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल मंगलवार को विश्वविद्यालय पहुंचा।

इस दल में दो वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एनागल केलीएवा एवं केरोवा सनार और 16 विद्यार्थी शामिल हैं, जो 10 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत एचएयू आए हैं। इन विद्यार्थियों की शिक्षा प्रमुख विषय एग्रोनॉमी, इकोलॉजी एवं टूरिजम है। उल्लेखनीय है कि कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध है।

कजाकिस्तान के दल के सदस्यों के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हकृवि अपने शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की ओर अग्रसर है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रुचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है, इसलिए यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों की पहली पसंद है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने इस दल का स्वागत किया और उनको विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी, रिसर्च फार्म, नैनो-बायो टेक्नोलॉजी, दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑर्गेनिक फॉर्मिंग व विश्वविद्यालय में हो रही बायोगैस व बायो कंपोस्ट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र पाल सिंह ने बताया कि दौरे के दौरान दल के सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों का दौरा करेंगे तथा यहां पर जारी शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला गतिविधियों की जानकारी हासिल करेंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसके धनखड़, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेंद्र सांगवान व डॉ. भगत सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून....

दिनांक 6.11.2019 .... पृष्ठ सं. 6 .... कॉलम 7-8....

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण जयंती सम्मेलन आज से

20 देशों के वैज्ञानिक करेंगे शिरकत

हिसार में मंगलवार को हकृवि पहुंचे कजाकिस्तानी दल के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह। -निस

हिसार, 5 नवंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंड्स एंड फ्यूचर सिनेरियो विषय पर 6 से 8 नवंबर तक 3 दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में लगभग 600 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसमें 20 देशों के 80 से अधिक विदेशी वैज्ञानिक भी शामिल हैं।इसमें यूएसए मेसाचूसेट विश्वविद्यालय के डॉ. बाओशेन जिंग मुख्य अतिथि होंगे और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में मुख्यातिथि द्वारा द इंपेटिंस ऑफ बायोचार फॉर सॉयल हेल्थ एंड रेजिलेंसी विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि वर्तमान समय की किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उच्च गुणवत्ता व कारगर तकनीक विकसित करने के लिए अभिनव सोच, धन की उपलब्धता, राजनीतिक समर्थन के अलावा नीतिगत समर्थन की भी आवश्यकता है। ऐसे समय में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में होने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों व किसानों के लिए एक सांझा मंच प्रदान करेगा, जहां नयी सहस्राब्दी में खेती में आने वाली चुनौतियों पर विचार किए जा सकेंगे व समाधान ढूंढे जा सकेंगे।

सम्मेलन में यूएसए के वाइस डायरेक्टर एंड चीफ एनालिटिकल डॉ. जेसन वाइट, कनाडा के प्रोफेसर कलेरेनस जे सवेंटन, इजराइल के बरूच रूबिन व डॉ. डरोर मिंज, फिलीपिंस के डॉ. एस मोहनते तथा यूएस के डॉ. ओपी धनखड़ अपने विषयों पर मुख्य व्याख्यान देंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....सिटी पल्स....
दिनांक....5.11.2019.... पृष्ठ सं....4.... कॉलम....1-4....

हकृवि बना अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों व छात्रों की पहली पसंद : डॉ. केपी सिंह

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह कजाकिस्तान के दल के साथ।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों व छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। इसी कड़ी में कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का 18 सदस्यीय दल जिसमें 2 वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एनागल केलीएवा एवं केरोवा सनार व 16 विद्यार्थियों का एक दल 10 दिवसीय इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आया है। इन विद्यार्थियों की शिक्षा प्रमुख विषय एग्रोनॉमी, इकोलॉजी एवं टूरिज़म है। ज्ञात रहे कि कजाकिस्तान के एसटी पवलोदर स्टेट यूनिवर्सिटी का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध हो चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि हकृवि अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने की ओर अग्रसर है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण एवं शोध कार्य कर रहा है इसलिए यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों की पहली पसंद है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने इस दल का स्वागत किया और उनको विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी, रिसर्च फार्म, नेनो-बायोटेक्नोलोजी, दीन दयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ओरगेनिक फॉर्मिंग व विश्वविद्यालय में हो रही बायोगैस व बायोक पोस्ट प्रोडक्शन टैक्नोलोजी से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि यह दल विश्वविद्यालय के दस दिवसीय दौरे पर है। इस दौरान दल के सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों का दौरा करेंगे तथा यहां पर जारी शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला गतिविधियों की जानकारी हासिल करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.के. धनखड़, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान व डॉ. भगत सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 6.11.2019 पृष्ठ सं.: 18 कॉलम: 1-7

20 देशों के 80 वैज्ञानिक तीन दिन एचएयू में कृषि पर करेंगे मंत्रणा

स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 600 प्रतिनिधि लेंगे भाग, दिनभर एचएयू में साज सज्जा से लेकर सफाई अभियान चलाकर कैंपस बनाया सुंदर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) बुधवार से शुरू होगी, जिसमें 20 देशों से 80 वैज्ञानिक कृषि के भविष्य, चुनौतियों व नवीन तकनीकी पर मंत्रणा करेंगे। वह अपनी रिसर्च के माध्यम से बताएंगे कि किसानों के लिए अब नीतियों से लेकर धरातल पर किस प्रकार की स्ट्रेटजी की आवश्यकता है। करीब 26 साल बाद एचएयू में इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इसके लिए मंगलवार को मिशन मोड पर विश्वविद्यालय को सजाने से लेकर साफ सफाई तक के काम हुए। प्रत्येक डिपार्टमेंट को सम्मेलन में कुछ न कुछ जिम्मेदारी दी गई है। न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंडस एंड फ्यूचर सिनेरियो विषय पर 3 दिवसीय सम्मेलन 6 से 8 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में यूएसए के मेसाचुसेट विश्वविद्यालय के डा. बाओशेन जिग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। डा. बाओशेन जिग सम्मेलन में द इंपोर्टेंस ऑफ बायोचार फॉर सॉयल हेल्थ एंड रेजिलिंसी विषय पर मुख्य व्याख्यान देंगे।

सम्मेलन को लेकर कैंपस को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सजने के बाद रात को 10 बजे इस तरह रंगीन नजर आया एचएयू का फ्लैचर भवन। • सुलतान बजाज

वैज्ञानिकों, उद्यमियों और किसानों को साझा मंच दे रहा एचएयू: कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि वर्तमान समय की किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उच्च गुणवत्ता व कारगर तकनीक विकसित करने के लिए अभिनव सोच, धन की उपलब्धता, राजनीतिक समर्थन के अलावा नीतिगत समर्थन की भी आवश्यकता है। ऐसे समय में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों व किसानों के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। जहां खेती में आने वाली चुनौतियों पर विचार किए जा सकेंगे व समाधान ढूंढे जा सकेंगे।

सुबह 11 बजे होगा सम्मेलन का शुभारंभ

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि सम्मेलन का शुभारंभ 11 बजे इंदिरा गांधी सभागार में होगा। तदोपरांत कृषि महाविद्यालय के सभागार में यूएसए के वाइस डायरेक्टर एंड चीफ एनालिटिकल, डा. जेसन वाइट, कनाडा के प्रोफेसर कलेरेनस जे सवेंटन, इजराइल के बरूच रूबिन, फिलीपिंस के डा. एस. मोहनते, इजराइल के डा. हरोर मिंज तथा यूएस के डा. ओपी धनखड़ अपने अपने विषयों पर मुख्य व्याख्यान देंगे। गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की बहुयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर महाविद्यालय में अपने स्तर पर अलग अलग विषय पर व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का यह रहेगा शेड्यूल

सभागार में 7 नवंबर को नॉवल ट्रेंडस इन एग्रीकल्चर एंड एपलाइड बायोसांइसिस, कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसिस एंड हुमेनिटिस एप्लीकेशन इन बेसिक एंड नेचुरल साइसिस इन न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर इंदिरा गांधी सभागार के कमेटी रूम, फ्यूचरइस्टीक एपरोचिज इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड मकेनाइसेशन जबकि कालेज ऑफ होम साइंस में कोमयुनिटी साइंस, न्यू चेलेंजिज एंड ओर्पोचुनिटीज पर व्याख्यान होंगे।

8 को होगा पोस्टर सेशन

8 नवंबर को कृषि महाविद्यालय के परीक्षा हॉल में पोस्टर सेशन का आयोजन किया जाएगा व कृषि महाविद्यालय के सभागार में प्लेनरी सेशन में सभी सेशनस की रिर्पोट प्रस्तुत की जाएगी। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विदेशी प्रतिनिधियों के साथ यहां के वैज्ञानिक व छात्रों को अपने विचार साझा करने का अवसर मिलेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, हरि. भूमि
दिनांक 6. 11. 2019 पृष्ठ सं 1, 14 कॉलम 2-3, 2

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंडस एंड फ्यूचर सिनेरियो विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन 6 से 8 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में यूएसए के मेसाचूसेट विश्वविद्यालय के डॉ.

एचएयू

बाओशेन जिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे जबकि एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। डॉ. बाओशेन जिंग सम्मेलन में द इंपोर्टेंस ऑफ बॉयोचार फॉर सॉयल हेल्थ एंड रेजिलेंसी विषय पर मुख्य व्याख्यान देंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों व किसानों के लिए एक सांझा मंच प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 6 नवंबर को 11 बजे इंदिरा गांधी सभागार में होगा। इस दौरान कृषि महाविद्यालय के सभागार में यूएसए के वाइस डायरेक्टर एंड चीफ एनालिटिकल, डॉ. जेसन वाइट, कनाडा के प्रोफेसर कलेरेनस जे सवेंटन, इजराइल के बरूच रूबिन, फिलीपींस के डॉ. एस मोहनते, इजराइल के डॉ. डरोर मिंज और यूएस के डॉ. ओपी धनखड़ अपने अपने विषयों पर मुख्य व्याख्यान देंगे। सम्मेलन में लगभग 600 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसमें 20 देशों के 80 से अधिक विदेशी वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

हकृवि में स्वर्ण जयंती पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हिसार। हकृवि में स्वर्ण जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न्यू मिलेनिया एग्रीकल्चर नॉवल ट्रेंडस एंड फयूचर सिनेरियो विषय पर 3 दिवसीय सम्मेलन 6 से 8 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में यूएसए के मेसाचूसेट विश्वविद्यालय के डॉ. बाओशेन जगि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे जबकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। डॉ. बाओशेन जगि सम्मेलन में द इंपोर्टेंस ऑफ बायोचार फॉर सॉयल हेल्थ एंड रेजिलेंसी विषय पर मुख्य व्याख्यान देंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, अमर उजाला
दिनांक 6.11.2019 पृष्ठ सं. 3, 6 कॉलम 1-2, 5

एचएयू में 14 से 16 नवंबर तक होगा मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने 14 से 16 नवंबर तथा 18 से 20 नवंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। उक्त प्रशिक्षण संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की सीटें सीमित हैं। इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्त संस्थान में आकर अपना प्रार्थना पत्र भरकर जमा करवा दें जो विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 पर किसान आश्रम के नजदीक है। इस प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति और प्रार्थी का फोटो लगाना अनिवार्य है। इच्छुक प्रार्थी कार्यालय में समय रहते प्रार्थना-पत्र जमा करवा देंवे। यह प्रशिक्षण रिकोगनिशन प्रायर लर्निंग प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दिया जाएगा।

एचएयू में मधुमक्खी पालन को लेकर प्रशिक्षण 14 से

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से 14 से 16 नवंबर और 18 से 20 नवंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान भाग ले सकते हैं।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां विस्तार से दी जाएंगी। प्रशिक्षण की सीटें सीमित हैं। इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्त संस्थान में आकर अपना प्रार्थना पत्र भरकर जमा करवा दें। इस प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति व प्रार्थी का फोटो लगाना अनिवार्य है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 5. 11. 2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

हकृवि में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण 14 से

हिसार/05 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 14 से 16 नवंबर तथा 18 से 20 नवंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां विस्तार से दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की सीटें सीमित हैं। इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्त संस्थान में आकर अपना प्रार्थना पत्र भरकर जमा करवा दें जो विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 पर किसान आश्रम के नजदीक है। इस प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति व प्रार्थी का फोटो लगाना अनिवार्य है। इच्छुक प्रार्थी कार्यालय में समय रहते प्रार्थना पत्र जमा करवा देंवे। यह प्रशिक्षण रिकोगनिशन प्रायर लर्निंग प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ निष्पक्ष टाइम्स

दिनांक 5.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण शिविर 14 व 18 से : दहिया

हिसार, 5 नवम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 14 से 16 नवंबर तथा 18 से 20 नवंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

प्रशिक्षण संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां विस्तार से दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की सीटें सीमित हैं। इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्त संस्थान में आकर अपना प्रार्थना पत्र भरकर जमा करवा दें जो विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 पर किसान आश्रम के नजदीक है। इस प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति व प्रार्थी का फोटो लगाना अनिवार्य है। इच्छुक प्रार्थी कार्यालय में समय रहते प्रार्थना पत्र जमा करवा देंवे। यह प्रशिक्षण रिकोगनिशन प्रायर लर्निंग प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ...सिटी पल्स...

दिनांक ...5.11.2019... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...1...

एचएयू में मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण 14 नवंबर से

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 14 से 16 नवंबर तथा 18 से 20 नवंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। उक्त प्रशिक्षण संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में बेरोजगार युवक एवं किसान भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारियां विस्तार से दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की सीटें सीमित हैं। इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्त संस्थान में आकर अपना प्रार्थना पत्र भरकर जमा करवा दें जो विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 पर किसान आश्रम के नजदीक है। इस प्रार्थना पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति व प्रार्थी का फोटो लगाना अनिवार्य है। इच्छुक प्रार्थी कार्यालय में समय रहते प्रार्थना पत्र जमा करवा देंवे। यह प्रशिक्षण रिकोगनिशन प्रायर लर्निंग प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 6.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-8

पहल • पराली प्रबंधन के लिए सरल और किफायती विकल्प देने के लिए एचएयू कर रही प्रयास, पराली से सीएनजी बनाने की तैयारी पूरी

खेत में पराली को जोत कर बनाएं खाद, बचेगा खर्चा और बढ़ेगी पैदावार

भास्कर न्यूज | हिसार

खेतों में जलती पराली से वातावरण को नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे में उचित प्रौद्योगिकी या विधियां उपलब्ध कराने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए किसानों को पराली प्रबंधन के लिए सरल और किफायती विकल्प देने के एचएयू प्रयास कर रही है। जिससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि खेत में ही जोतकर खाद बनाने की टेक्निक सिखाई जा रही है। एग्रोनोमी के हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. सुमुंदर सिंह ने बताया कि इससे ऑर्गेनिक कार्बन इनक्रीज होता है। जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। जिससे रसायनिक खादों की कम जरूरत पड़ती है। इसके साथ ही पानी सोखने की क्षमता बढ़ती है। जमीन पर तापमान कम रहेगा और पैदावार बढ़ती है। जिसमें एचएयू के साइंटिस्ट द्वारा उन्हें पर्यावरण बचाने के साथ उनका खर्चा बचाने की भी विधियां बताई जा रही हैं। इसके साथ ही पैदावार बढ़ाने की योजनाएं भी दी जा रही हैं। एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी शुरू से ही किसानों की सेवा के लिए तत्पर है।

जिसमें वह किसानों तक सुलभ तरीके से हर तरह की टेक्निक व साधन प्रोवाइड किए जा रहे हैं। पराली प्रबंधन को लेकर यूनिवर्सिटी ने इनोवेशन सेंटर, एग्री वेस्ट कोबो गैस प्लांट और कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से पराली प्रबंधन पर बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है। पराली के प्रबंधन के लिए किए जा रहे कार्य में नीदरलैंड्स सहयोग करने के लिए आगे बढ़ा है। वहीं एचएयू ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए इनोवेशन सेंटर की स्थापना की।

कार्यक्रम के दौरान पराली प्रबंधन की जानकारी देते एचएयू के वैज्ञानिक।

हर जिले में लिए हैं दो से ज्यादा गांव गोद, पराली प्रबंधन से जुड़ी मशीनें कर रहे फ्री में उपलब्ध: एचएयू के डायरेक्ट्रेट ऑफ एक्सटेंशन विभाग से डॉ. अश्वनी कुमार ने बताया कि एचएयू हर बार हर डिस्ट्रिक्ट में दो गांव गोद लेती है। मगर इस बार दो की जगह 3 गांवों को भी गोद लिया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को उचित पराली प्रबंधन का ज्ञान दिया जा सके। 12 क्योंकि उनके द्वारा गोद लिए गांवों में फ्री में मशीनों की सुविधाएं दी रही हैं। फसल प्रबंधन के लिए किसानों को ये मशीनें देने के बाद वैज्ञानिक किसानों को कई विशेष और उपयोगी तकनीकी मदद की जा रही है।

पराली प्रबंधन के लिए ये हैं मशीनें

- **रोटावेटर मशीन :** रोटावेटर मशीन पिछली फसल कटने के बाद जो अवशेष खेत में रह जाते हैं, उन्हें जड़ से खोद कर अच्छी तरह से मिट्टी में मिला देती है। मशीन खेत की जमीन को कम समय में तैयार करती है।
- **हैप्पी सीडर :** पराली को खेतों में ही रहने दिया जाता है। जिसमें यह मशीन कतारों में गेहूं की बुआई करती है। इससे धान के अवशेषों से खेत ढका होने से नमी बनी रहती है एवं अंकुरण अच्छा होता है।
- **जीरो टिल मशीन :** गेहूं की सीधी बुवाई की जा सकती है। इससे खरपतवार की समस्या नहीं होती है।
- **मल्चर मशीन :** जिसमें पहले धान को चौप किया जाएगा। रेकर इंच के ऊपर तक पराली को काट लेगा। बंडल मेकर कटी हुई पराली के बंडल बना देगा।
- **रिवर्स मोल्ड बोल्ड फलो :** यह पराली से बनाए गए तूड़े को एक फिट नीचे दबा देता है। इसका उपयोग अधिकांश खेत में होता है।

50 अवेयरनेस कैंप लगा चुके हैं एचएयू साइंटिस्ट

एग्रोनोमी डिपार्टमेंट से डॉ. सतवीर सिंह पूनिया ने बताया कि पराली प्रबंधन के लिए डिस्ट्रिक, ब्लॉक और विलेज लेवल पर अवेयरनेस कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें किसानों को पराली प्रबंधन के साथ कई अन्य ऑप्शन दिए जा रहे हैं। जिसमें किसानों को पराली इंडस्ट्रीज में बेचने का ऑप्शन दिया जा रहा है। इसमें कई इंडस्ट्री बिजली पैदा करने का काम कर रही हैं। मगर यह तभी संभव है कि पराली को बंडल में बांधा जाए। मशरूम की खेती करने वाले किसानों को पराली बेची जा सकती है। किसानों के साथ स्कूलों में भी कैंप लगाए जा रहे हैं। ताकि पराली जलाने और प्रदूषण की समस्या को बच्चे अपने परिवारजनों को समझा सकें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... हरि. भूमि

दिनांक...6. 11. 2019...... पृष्ठ सं....14.............. कॉलम...2-4.....

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का ग्रीन कैंपस स्वास्थ्य के लिए उत्तम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर में बीते दिनों फैले स्मॉग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कैंपस ऐसी जगह है, जहां हरियाली की भरमार है। इसके चलते यहां प्रदूषण का स्तर भी हमेशा कम रहता है। बीते दिनों जब शहर का एक्यूआई स्तर 900 को पार कर गया तब भी ग्रीन कैंपस में आकर लोगों को राहत मिलती रही।

विवि में सुबह व शाम के समय सैर करने वालों की भीड़ कभी कम नहीं रहती। यहां दोनों वक्त सैर व जॉगिंग करते लोग नजर आ जाएंगे। कई लोग टोलियों में योगाभ्यास भी करते हैं। यूनिवर्सिटी का कैंपस शहर के मध्य में स्थित है। इसका निर्माण से ज्यादा एरिया ग्रीन है। यहां लगाए गए पेड़ों के चलते गर्मी में भी इसका तापमान कम रहता है।

हिसार। हकृवि का ग्रीन कैंपस। फोटो : हरिभूमि

यहां सैर करने वाले प्रेम नगर के रामनिवास, बालसमंद रोड के मांगेराम, राकेश आदि ने बताया कि वे रुटीन में यहां सैर के लिए आते हैं। स्मॉग के समय जब शहर में आंखों में जलन हो रही थी तब भी यहां वृक्षों की छांव में शुद्ध ऑक्सीजन मिलती रही।